



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:20.04.2022

THE TRIBUNE

ACTIVITIES TO MARK YOGA DAY

Faridabad: To mark the celebration of International Day of Yoga, which is celebrated on June 21 every year, the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, on Tuesday launched a series of activities which include yoga camp for students and staff members, yogasana competition, expert lecture and quiz competition. These activities have been conducted by the office of Dean Student Welfare of the university. The activities were formally launched by Vice-Chancellor Prof SK Tomar with a two-week yoga camp for girl students of the university. The camp will continue till May 1. The camp is being jointly conducted by the Dean Student Welfare Office and girls hostel with technical support provided by the trainers from the university's community college for skill development.



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:20.04.2022

HINDUSTAN

वाईएमसीए का वेब न्यूज बुलेटिन लांच

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में कम्युनिकेशन एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग की ओर से मंगलवार को विश्वविद्यालय से संबंधित समाचारों के लिए साप्ताहिक वेब-न्यूज बुलेटिन लॉन्च किया गया।

इसका शुभारंभ कुलपति प्रो. एसके तोमर ने किया। विभागाध्यक्ष डॉ. मलिक ने बताया कि महर्षि नारद सेंटर फॉर मीडिया रिसर्च एंड प्रोडक्शन में छात्रों की ओर से सामग्री तैयार की गई है बुलेटिन में विश्वविद्यालय केंद्रित गतिविधियों को शामिल किया गया है।



AAJ SAMAJ

04 आज समाज
नई दिल्ली, बुधवार, 20 अप्रैल 2022

एनसीआर

www.aajsamaaj.com

जेसी बोस विश्वविद्यालय के मीडिया स्टूडेंट्स ने शुरू किया साप्ताहिक न्यूज बुलेटिन

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फारिदाबाद, फरीदाबाद के कम्प्यूटेशनल एंड मीडिया टेक्नोलॉजी विभाग ने आज विश्वविद्यालय से संबंधित समाचारों के लिए अपना साप्ताहिक वेब-न्यूज बुलेटिन लॉन्च किया। साथ ही, विभाग ने हस्तचालित स्टूडेंट चेंटर के नए

सदस्यों के लिए एक इंटरव्यू समारोह का आयोजन किया। हस्तचालित स्टूडेंट चेंटर विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए विभाग की एक पहल है। वेब-न्यूज बुलेटिन को औपचारिक रूप से कुलपति प्रो. एस्के तोमर द्वारा लॉन्च किया गया।

इस अवसर पर लिबरल आर्ट्स एंड मीडिया स्टडीज के डॉन प्रो. अशुल मिश्रा, विभागाध्यक्ष डॉ. पवन सिंह

मौलिक, विभाग के फैकल्टी सदस्य और तकनीकी कर्मचारी भी मौजूद थे। विभागाध्यक्ष डॉ. मौलिक ने कुलपति को अग्रत कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए स्टूडेंट चेंटर पर मीडिया रिसर्च एंड प्रोडक्शन में छात्रों द्वारा वेब-न्यूज बुलेटिन की सफल तैयारी को गौरवपूर्वक स्वागत किया।

विश्वविद्यालय के आधिकारिक वृद्धि के तहत पर वेब-कास्ट भी किया जाएगा। विभाग इस बुलेटिन को नियमित रूप से जारी करेगा। इस अवसर पर बोलेते हुए कुलपति तोमर ने छात्रों के प्रयासों, उनकी कड़ी मेहनत तथा मीडिया के छात्रों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए विभाग द्वारा जो पहल की सराहना की। प्रो. तोमर ने मीडिया के छात्रों को सुझाव

दिया कि वे इस बुलेटिन रोचक एवं सूचनात्मक बनाने तथा इसमें छात्रों को लाभांशित करने वाली विश्वविद्यालय की विभिन्न योजनाओं और पहलों से संबंधित समाचार प्रस्तुत करें तथा जागरूकता लाने का काम करें। कुलपति ने हस्तचालित से जुड़े नए छात्रों को सदस्यता कार्ड भेंट किए और उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।



साप्ताहिक न्यूज बुलेटिन के शुभारंभ अवसर पर मौजूद कुलपति प्रो. एस्के तोमर।

आज समाज

AAJ SAMAJ

पहल

शोध परियोजना के लिए एसईआरबी ने 30 लाख का अनुदान किया स्वीकृत

जेसी बोस विवि के वैज्ञानिक कैंसर के इलाज को सस्ता करने पर करेंगे काम

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, फरीदाबाद के दो वैज्ञानिकों की शोध परियोजना का चवन एसईआरबी पावर अनुदान योजना के तहत हुआ है।

प्रभावी फोटोडायनामिक और फोटोथर्मल कैंसर थेरेपी के लिए अस्तरदार दवा के रूप में स्पाइरोपावरन आधारित मेटल कॉम्प्लेक्स विकसित करने पर आधारित शोध परियोजना को भारत सरकार के विज्ञान एवं



डॉ. भावना उत्तम व डॉ. अमित राजपूत।

प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड



आज समाज

(एसईआरबी) द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के रसायन

विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर डॉ. भावना उत्तम और डॉ. अमित राजपूत की शोध परियोजना को एसईआरबी द्वारा 30 लाख रूपए के अनुदान के लिए स्वीकृत किया गया है।

विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा प्रस्तावित परियोजना का उद्देश्य कैंसर रोगियों के इलाज के लिए प्रभावी और सस्ती पद्धति विकसित करना है। कुलपति प्रो. एसके तोमर और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग ने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों को उनके शोध अनुदान के लिए चयन पर शुभकामनाएं दी हैं। प्रो. तोमर ने कहा

कि अनुदान निश्चित रूप से विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देगा और मानव स्वास्थ्य को प्रमुख चिंता के रूप में कैंसर के खिलाफ कारगर समाधान प्रदान करेगा। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम (एनसीआरपी) रिपोर्ट 2020 के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या लगभग 13.9 लाख है और 2025 तक इसके बढ़कर 15.7 लाख होने की उम्मीद है।

परियोजना पर विस्तार से जानकारी देते हुए रसायन विभाग के अध्यक्ष डॉ.

रवि कुमार ने बताया कि इस परियोजना के तहत शोधकर्ता फोटो-स्विचबल स्पाइरोपावरन आधारित कार्बनिक अणुओं और उनके मेटल कॉम्प्लेक्स को विकसित करने के लिए काम करेंगे जोकि नियर इन्फ्रारेड रेडिएशन (एनआईआर) क्षेत्र में प्रकाश को अवशोषित कर सकते हैं और उच्च साइटोविस्सिडिटी तथा झिल्ली की उच्च पारगम्यता के कारण फोटोथर्मल थेरेपी (पीटीटी) के लिए उपयोग किया जा सकता है। इस कार्य में उनका लक्ष्य मेटल कॉम्प्लेक्स के फोटोथर्मल गुणों को खोज और एनआईआर लेजर को

विकिरणित करते समय तापमान के प्रभाव को समझने पर भी होगा तथा वे फोटोस्विचबल आधारित अणुओं द्वारा कैंसर कोशिका मृत्यु के तंत्र का भी पता लगाएंगे।

एसईआरबी पावर अन्वेषी अनुसंधान में महिलाओं के लिए अक्सरों को बढ़ावा देने का कार्यक्रम है जोकि भारतीय शैक्षणिक संस्थानों और अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं में विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान के विभिन्न कार्यक्रमों के लिए वित्त पोषण में लैंगिक असमानता को कम करने के लिए हैबल किया गया है।